कमांक 1901-ज(I) 76/33389.—श्री छैलू राम पुत्रश्री चीतव गांव यतेतरी, तहतीत दाहरी, जिला विश्वानी की विश्वांक 2 मार्च, 1964 को हुई मृह्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यशाल, पूर्वी पंत्रावे पुद्ध पुरहतार प्रोजित ११, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भग्नाया गया है और उसने भाज तक संतोजन किया गया है) को धारा 4 एवं 2 (ए) (1) तथा 3 (1) के भाधीन प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते, हुए सहवं भावेत वेते हैं कि श्री छैलू राम को मुख्या 200 पपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब सरकार की श्रीवत्वात क्रवांक 10707 जे. एत. (III)-6/18348, विश्वंक 25 भगस्त, 1966 तथा हरियाणा सरकार की भाधित्वात क्रवंक 5041-भार-II(-70/2)505, दिशांक 8 विसम्बर 1970 द्वारा मंजूर की गई थी। भव उसकी विश्वंत श्रीनित सुन्दर के नाम खरीक 1974 से 150 रुपये वार्षिक की वर से सनद में ही गई शर्ती के भ्रम्तर्गत तबवील की जाती है।

# दिनांक 28 भक्तूबर, 1976

कमाक 1997-ज(II)-76/33209.—श्री जयमल सिंह, पूर्व श्री सुनेहरी, गांव भोडवाल, माजरी तहसील पानीपत, जिला करनाल की दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप द्विपाणा के राज्यशाल पूर्वों पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रीधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ज्ञानावा गया है भीर उस में ग्राज तक संशोधन तिया गरा है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के ग्रधीन प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए सहां प्रारेग देने हैं कि श्री जानत सिंह की मुक्लिंग 150 रुपये व्यक्ति की आगीर, जो उसे हरियाणा सरकार की श्रविद्वार करों का 1941-ज(II)-73/26047, दिनांक 28 अगस्त, 1973, द्वारा मंजूर की गई थी. श्रव उनकी विजया श्रीनित खान से खरीक, 1976 से 150 रुपये व्यक्ति की दर से सनद में दो गई शर्तों के ग्रंगत नवदीन की जानो है।

क्रमांक 2018-अ(II)-76/33213. ——पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के माइतार तैं वे गरे अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री बदलू राम, पुत्र श्री नियादर सिंह, गांव क5बाड़', तहसील कैयल, जिला कुरुक्षेत्र को रबी, 1973 से 150 ६० वार्षिक कीनत वाली युद्ध जागीर तस में ही गई सार्थिक प्राइतार सहर्व प्रथान करते हैं।

क्रमांक 2010-ज(II)-76/33217.--पूर्वी पंतान युद्ध पुरस्कार प्रिविनिया, 1948 (जैना कि उने हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (१ए) तया 3(१ए) के प्रतुसार सींने गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्य पाल श्री अर्जन सिंह, पुत्र श्री जीतू, गांव कवराना करां, तहतीन व जिला जीत्र, को खरीफ, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्ती के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1982-ज(I)-76/33221.—श्री सोहत सिंह, पुत्र श्री काहन सिंह, निशासी अन्याला शहर, तहसीन व जिला अन्याला, भी दिनांक 30 अगस्त, 1973 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(II) तथा 3(1) के अत्रीत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुए सहुई आदेश हेने हैं कि श्री सोहन सिंह की मुश्जिग 100 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरहार को अत्रिक्ष प्रवास कमांक 455-वाई.सी.5172-ए दितांक 11 अन्त्यूर, 1955 द्वारा मन्त्रूर की गई थी, अत्र उस की विश्ववा श्रीमित राम रखी के नाम रबी, 1974 से 100 रुपये वार्षिक की दर से सार में दी गई श्रीतों के अन्तीत तशरीत की जानी है।

## दिनांक 3 नवम्बर, 1976

कमांक 1952 ज(I) 76/.33585—-पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार मिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्या में जपनाया गया है और उसमें आज तक संगोजन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3 (1) के अनुसार सींग़े गये अधिकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्य पाल श्री ज्ञानी राम, पुत्र श्री आद राम, गांव छगार, तहसील दादरी, जिला निवानी को रबी, 1975 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 1974 ज(I) 76/33589.—श्री शंकर लाल, पुतं श्री राम दयाल, गांव नांगल, तहनील दादरी, जिला भिवानी की दिनांक 28 नवम्बर, 1975 को हुई मृत्यु के परिणामश्वरूप हरियाणा के राज्याल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 (जैसांकि उसे हरियाणा राज्य में अपनादा गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहर्ग आदेश देते हैं, कि श्री शंकरलाल की मुल्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 4176-र-III-70/19512 दिनांक 19 अगस्त, 1976 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041 आर-III-70/29505 दिनांक 8 दिसस्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उन को विश्व शीमित तनकीर के नाम खरीफ 1976 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

ऋमांक 2004-ज(I)-76/33593.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री बेग, पुत्र श्री गिरधारी लाल, गांव कुड़लकावास, तहसील लोहारू, जिला भिवानी को रबी 1973 से 150 रु० वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहबं प्रदान करने हैं।

सभाक 2030-ज(1)-76/33597.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार स्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में स्रपनाया गया है सौर उस में प्राज तक हंशे धन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के समुसार सौपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपास श्री रामधन, पुद्ध श्री शयौ दान, गांव बडदू चैना, सहसील लोहारू, जिला भिवानी. को रबी 1967 से रबी 1970 तक 100 दपए वार्षिक तथा खरीफ़. 1970 से 150 दपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के समुसार सहवं प्रवान करते हैं।

कमांक 2003-ज(1)-76/33602.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है भीर उसमें भाज तक [संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3 (१ए) के ग्रनुसार सींपे गये श्रिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री धन्ना सिंह, पुत्र श्री माया सिंह, गांव बसंतपुरा वराड़ा, तहसील व जिला अम्बाला को रबी, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सह्यं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 2005 ज(I)-76/33606.-- श्री देवकरण, पुत्र श्री जीसुख, गांव बुचोली तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 23 जुन 1974 की हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनयम 1948 (जैंसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के ग्रसीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए सहष् ग्रादेश देते है कि कि देवकरण को प्रधिकतम 150/-एवं वार्षक को जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की ग्रसिस्चना क्रमांक 2303 ज(I)-72/32545, दिनांक 20 भगस्त, 1972 द्वारा मंजूर की गई थी, ग्रब उसकी विधवा श्री मित जड़या के नाम रखी 1975 से 150 एवं वार्षक की दर से सनद में दी गई शर्जों के ग्रन्तगंत तबदील की जाती है।

यशवन्त कुमार जैन, विशेष कार्य प्रधिकारी, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।

#### DEVELOPMENT AND PANCHAYAT DEPARTMENT

The 28th October, 1976

No. EP-K-76/78.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 4 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953), and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby excludes village Nalvikalan from sabha area comprising of villages Dibarki, Nalvikalan, Dibarki par, declared,—vide Haryana Government, Development and Panchayat Department, notification No. EP-K-71/9, dated 5th June, 1971.

No. EP-K-76/79.—In exercise of the Powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953), and all other powers enabling him in this behalf the Governor of Haryana hereby declares village Nalvikalan to be a sabha area and makes the

following amendment in Haiyana Government Development and Panchayat Department notification No. EP-K-71/9, dated 5th June, 1971:—

#### AMENDMENT

In the said notification in the schedule, for item 84, the following item shall be substituted, namely:—

·	Serial No.	Name(s) of village(s) constituting Sabha area	Tehsil	District
_	"84	Dibarki, Dibarki Par	Karnal /	Karnal
	84-A	Nalvikalan	Do	Do"

No. EP-K-76/80.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953), and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby makes the following amendments in Haryana Government, Development and Panchayat Department notification No. EP-K-71/10, dated the 5th June, 1971, namely:—

#### AMENDMENT

In the said notification in the schedule for item 84, the following items shall be substituted, namely:—

Serial No.	Name(s) of Village(s) constituting Sabha area	Tehsil	District	Name of Gram Panchayat	No. of Panches	No. of Panches belonging to Sche- duled Castes
1	2	3	4	5	6	7
"84	Dibarki, Dibarki-Par	Karnal	Karnal	Dibarki	6	1
84-A	Nalvikalan	Do	Do	Nalvikalan	5	Nil"

## The 4th November, 1976

No. EP-H-76/83.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 4 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953), and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby excludes village Lambi from the Sabha area comprising of villages Jhuti Khera, Lambi and village Giddarkhera from the Sabha area comprising of villages Ganga, Giddarkhera declared vide Haryana Government, Development and Panchayat Department notification No. EP-H-71/51, dated 5th June, 1971.

No. EP-H-76/84.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Punjab Gram Panchayat Act, 1952 (Punjab Act 4 of 1953), and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana hereby declares the villages Lambi and Giddarkhera to be Sabha areas and makes the following amendment in Haryana Government, Development and Panchayat Department notification No. EP-H-71/51, dated 5th June, 1971:—

## **AMENDMENT**

In the said notification in the schedule, for items 26 and 69, the following items shall be substiuted, namely:—

Serial No.	Name(s) of village(s) constituting Sabha area	Te hsil	District
<b>''26</b>	Jhuti Khera	Dabwali	Sirsa
26-A	Lambi	Do	Do
69	Ganga	Do	Do
69-A	Giddat Khera	Do	D5."